

रजिस्टर्ड नं० HP/13/SML/2003.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 21 फरवरी, 2003/2 फाल्गुन; 1924

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

विधायी (अंग्रेजी) शाखा

अधिसूचना

शिमला-171002, 21 फरवरी, 2003

संख्या एल० एल० आर०-डी० (6)-14/2002-लैज.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 201 के अधीन राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 08-01-2003 को यथा अनुमोदित भारतीय वन (हिमाचल

प्रदेश संशोधन) विधेयक, 2002 (2002 का विधेयक संख्यांक 13) को वर्ष 2003 के हिमाचल प्रदेश अधिनियम संख्यांक 1 के रूप में अनुच्छेद 348 (3) के अधीन उसके अंग्रेजी प्राधिकृत पाठ सहित हिमाचल प्रदेश राजपत्र में प्रकाशित करते हैं।

आदेश द्वारा,

जे० एल० गुप्ता,
सचिव (विधि)।

2003 का अधिनियम संख्यांक 1.

भारतीय वन (हिमाचल प्रदेश संशोधन) अधिनियम, 2002

(माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा तारीख 8 जनवरी, 2003 को यथा अनुमोदित)

हिमाचल प्रदेश राज्य में यथा लागू भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16) का और संशोधन करने के लिए अधिनियम ।

भारत गणराज्य के तिरपनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्न-लिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम भारतीय वन (हिमाचल प्रदेश संशोधन) अधिनियम, 2002 है । संक्षिप्त नाम ।

2. भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 74 के स्थान पर निम्नलिखित धारा 74 का प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:— प्रतिस्थापन ।

“74. सद्भावपूर्वक किए गए कार्यों के लिए क्षतिपूर्ति.—(1) इस अधिनियम के अनुसरण में, सद्भावपूर्वक की गई या जिसके किए जाने का लोप किया गया है या किए जाने के लिए आदिष्ट किसी बात के लिए कोई भी वाद या दाण्डिक अभियोजन या अन्य कार्य-वाहियां किसी भी लोक सेवक के विरुद्ध तब तक नहीं होंगी जब कि पशु को, आयुध धारण करने वाले किसी वन अधिकारी द्वारा मारा या क्षति न पहुंचाई गई हो ।

(2) कोई भी न्यायालय, राज्य सरकार की पूर्व मंजूरी के सिवाए, पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में कार्य करते हुए या करने का तात्पर्य रखने वाले वन अधिकारी द्वारा किए गए किसी अपराध का संज्ञान नहीं करेगा ।”।

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Act No. 1 of 2003.

**THE INDIAN FOREST (HIMACHAL PRADESH AMENDMENT)
ACT, 2002**

(As Assented to by the President on 8th January, 2003)

AN

ACT

further to amend the Indian Forest Act, 1927 (Act No. 16 of 1927) in its application to the State of Himachal Pradesh.

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fifty-third Year of the Republic of India, as follows :—

Short title.

1. This Act may be called the Indian Forest (Himachal Pradesh Amendment) Act, 2002.

Substitution
of section
74.

2. For section 74 of the Indian Forest Act, 1927, the following shall be substituted, namely:—

16 of 1927

“74. Indemnity for acts done in good faith.—(1) No suit or criminal prosecution or other proceedings shall lie against any public servant for anything done or omitted or ordered to be done, in good faith, in pursuance of this Act, unless an animal has been killed or injured by a Forest officer carrying the arms.

(2) No court shall take cognizance of any offence alleged to have been committed by a Forest officer while acting or purporting to act in the discharge of his official duty except with the previous sanction of the State Government.”.